मातृ-भक्ति-नाटक

भारतीय संस्कृति का महाभारतकालीन एक चित्र ।

प्रसिद्ध नाट्याचार्य
पं० तुलसीदत्त 'शैदा' पश्चात् 'स्नेही'

प्रकाशक
मेहरचंद्र लक्ष्मणदास
दिल्ली